

महानगर का नाम रोशन कर रहीं तृप्ति

By



महानगर का नाम रोशन कर रहीं तृप्ति

मुरादाबाद । पश्चिम की बयार में बह रहे युवाओं के ह्य लिए महानगर की तृप्ति शर्मा एक बड़ा संदेश हैं। इस द

मुरादाबाद । पश्चिम की बयार में बह रहे युवाओं के ह्य लिए महानगर की तृप्ति शर्मा एक बड़ा संदेश हैं। इस दौर में जब युवा बालीवुड को अपना आदर्श मान रहे हैं। हर घर में जब पॉप बज रहा है तो तृप्ति ने शास्त्रीय गायन को अपनी साधना बना लिया है। इसी साधना में तल्लीन तृप्ति इस वक्त देश के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखा रही हैं।

रेलवे कालोनी निवासी तृप्ति शर्मा में बचपन से ही शास्त्रीय गायन के प्रति अनुराग था। पिता आनंद प्रकाश शर्मा व मां चंद्रकिरण शर्मा ने अपनी बेटी की इस प्रतिभा का सम्मान करते हुए उसका उत्साहवर्धन किया तो तृप्ति ने शास्त्रीय संगीत में वह मुकाम हासिल कर लिया जो एक कलाकार का सपना होता है। कटघर के बृजगोपाल व्यास से संगीत की शुरुआती शिक्षा लेने वाली तृप्ति इन दिनों बनारस घराने की सुनंदा शर्मा के सानिध्य में अपने सुरों को और भी तराश रही हैं। दिल्ली के कालिंदी कालेज में संगीत पढ़ा रहीं तृप्ति इसके साथ-साथ शिक्षा भी ले रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय से 'भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी का संगीत में योगदान: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर पीएचडी कर रहीं तृप्ति इस छोटी सी उम्र में ही बिरजू महाराज के पुत्र जयकिशन महाराज के कथक नृत्य के लिए भी शास्त्रीय गायन कर चुकी हैं। इसके अलावा तमाम मंचों पर अपने सुरों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली तृप्ति कहती हैं कि युवाओं को अपनी संस्कृति से प्यार करना चाहिए।

नहीं भूलीं जिगर मंच का पहला कार्यक्रम

आठ साल की उम्र में तृप्ति शर्मा ने पहली बार जिगर मंच पर अपने गायन की प्रस्तुति दी थी। मौका था सांस्कृतिक एवं कृषि विकास प्रदर्शनी का। इस कार्यक्रम में पहली बार में ही तृप्ति प्रथम स्थान पर रहीं थी। अगले दो साल तक ये खिताब उन्हीं के पास रहा। सफलता के पायदान पर आगे बढ़ती जा रहीं तृप्ति आज भी जिगर मंच को नहीं भूलती हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने जिगर मंच का कई बार जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पब्लिक के सामने आने का हौसला देने वाला जिगर मंच ही है।